‘उदयपुर स्मार्ट सिटी के कार्य डेनमार्क की तर्ज पर करने की जरूरत’

उदयपुर में इंस्टिट्यूट ऑफ़ टाऊन प्लानिंग सभागार में रविवार को भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटैक) उदयपुर चैप्टर साधारण सभा की बैठक में उदयपुर स्मार्ट सिटी योजना के विकास कार्यों पर समीक्षात्मक व्याख्यानमाला आयोजित हुई।

- उल्लेखनीय कार्य करने वाले इंटेक के आजीवन सदस्य पीएल मेघवाल, सतीश श्रीमाली, गौरव सिंघवी, हर्ष भू, अर्जुन पंचोली एवं दीपेंद्रसिंह चौहान को सम्मानित किया

उदयपुर, (कासं)। इंस्टिट्यूट ऑफ़ टाऊन प्लानिंग सभागार में रविवार को भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटैक) उदयपुर चैप्टर साधारण सभा की बैठक में उदयपुर स्मार्ट सिटी योजना के विकास कार्यों पर समीक्षात्मक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। पूर्व अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक सतीश श्रीमाली ने डेनमार्क की तर्ज पर उदयपुर स्मार्ट सिटी के विकास कार्य कराए जाने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने कहा यहां जनसंख्या का दबाव अधिक है। उदयपुर शहर को हरा भरा बनाने, स्वच्छ रखने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए शहर वासियों को शिक्षित करने की जरूरत बताई।इस अवसर पर प्रो. महेश शर्मा ने उदयपुर स्मार्ट सिटी के प्रस्तावित विकास कार्यों एवं वास्तविक विकास कार्यों पर तुलनात्मक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि उदयपुर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए और अधिक कार्य किए जाने की महती आवश्यकता है।

पूर्व सहायक वन संरक्षक डॉ. सतीश शर्मा ने मेवाड़ में वसंत ऋतु के दौरान खिलने वाले फूलों और वनस्पतियों संबंधित क्षेत्रों पर व्याख्यान देते हुए बताया वसंत एवं वर्षा ऋतु में यहां की प्रकृति नूतन आवरण धारण करती है। यहां के प्राकृतिक दृश्य देखने लायक होते हैं। संयोजक डॉ. ललित पांडे ने बताया कि आगामी वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भारत सरकार की अनुशंसा पर अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। इंटेक उदयपुर स्थित विश्वविद्यालयों में इसके महत्व को उजागर करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले इंटेक के आजीवन सदस्य पीएल मेघवाल, सतीश श्रीमाली, गौरव सिंघवी, हर्ष भू ,अर्जुन पंचोली एवं दीपेंद्रसिंह चौहान को सम्मानित किया गया। सह संयोजक गौरव सिंघवी ने इंटेक द्वारा वर्ष 2022-23 में आयोजित कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में पूर्व संयोजक डॉ. बी पी भटनागर सहित आजीवन सदस्यों ने भाग लिया। 2 मिनट का मौन रखकर आजीवन सदस्य स्वर्गीय प्रोफेसर पुष्पेंद्र सिंह राणावत को श्रद्धांजलि दी गई।

प्रभारी नियुक्त

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान में होने वाले आम चुनाव से पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ प्रवीण खंडेलवाल को भाजपा प्रदेश नेतृत्व की ओर से प्रतापगढ जिला प्रभारी नियुक्त किया है।

भारतीय जनता पार्टी के अग्रिम संगठन विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शहर के अग्रिम संगठन विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शहर एडवोकेट महेंद्र नागदा ने बताया कि उदयपुर जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एडवोकेट डॉ प्रवीण खंडेलवाल को प्रतापगढ़ का जिला प्रभारी बनाए जाने पर विधि प्रकोष्ठ देहात की इकाई की ओर से आज उनके निवास पर जाकर अधिवक्ताओं ने उनका सार्वजनिक अभिनंदन एवं स्वागत किया है।

संगठित ब्राह्मण समाज का नहीं है कोई विकल्प : भवानी जोशी

- सर्वसम्मति से समाज संचालन के लिए ग्यारह सदस्यों की कमेटी और पांच सदस्यीय मार्गदर्शन मण्डल का गठन किया

बांसवाड़ा, (निसं)। विसनागर ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह एवं बैठक पलकेश त्रिवेदी के लोधा आवास पर हुई। जिसमें समाज के उत्थान एवं विकास के लिए विचार व्यक्त करते हुए पुर्व राज्य मंत्री भवानी जोशी ने कहा कि संगठित ब्राह्मण समाज का कोई विकल्प नहीं है समाज की एकता और संगठित रूप से समाज और देश का हर विकास सम्भव है इसलिए समाज को संगठित होकर रहना चाहिए।

समाज की कमान युवा वर्ग को सौंपना चाहिए। समाज अध्यक्ष भवानी शंकर दवे ने कहा कि समाज की युवा पीढी आगे आए और समाज की एकता को और मजबूत करें। समाज की एकता में ही समाज की शक्ति निहित है। समाज के समस्त पधारे हुए बंधुओं ने अनेक सुझावों के साथ विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर सर्वसम्मति से समाज संचालन के लिए ग्यारह सदस्यों की कमेटी और पांच सदस्यीय मार्गदर्शन मण्डल का गठन किया। युवा मण्डल की ओर से भवानी शंकर दवे, पल्केश त्रिवेदी का सम्मान किया गया। समाज के वरिष्ठ देवशंकर जोशी, गिरजाशकर जोशी, दिनेश दवे, हरीश जोशी, ललित मेहता, महेश व्यास, अनिल व्यास, लक्ष्मी नारायण त्रिवेदी, धुव कुमार व्यास, नितिन त्रिवेदी, प्रकाश द्विवेदी, ओम प्रकाश जोशी, मनोज त्रिवेदी, सुरेश भट्ट, कल्याण जोशी, राकेश शर्मा, दिनेश शर्मा ने सम्बोधित किया। संचालन प्रदीप शर्मा ने किया जबकि आभार कृष्ण कान्त त्रिवेदी ने माना। बैठक के पश्चात समाज जनों ने एक दुसरे को रंग लगाकर स्नेह व्यक्त किया। स्नेह भोज पल्केश त्रिवेदी द्वारा दिया गया।

पिछोला अमरकुण्ड पर श्रमदान किया

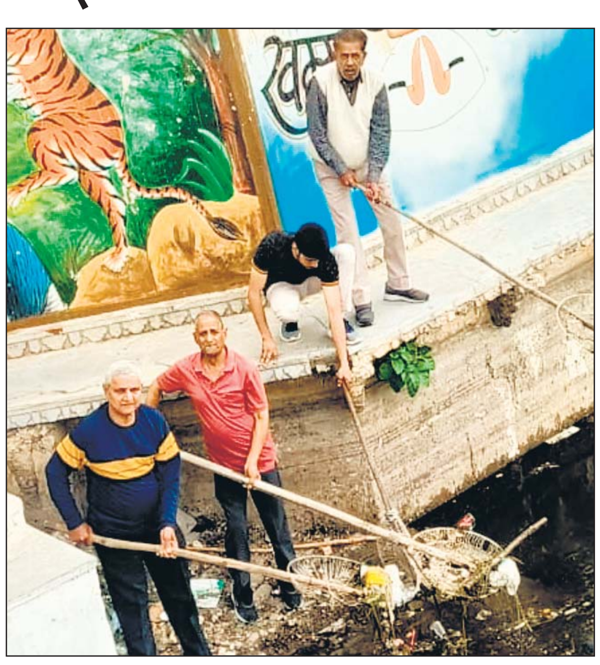

झील संरक्षण समिति के सदस्यों ने झील संवाद कर श्रमदान किया।

- ‘जांच पूरी होने तक नदी टाइलिंग व नदी को छोटा किये जाने के कार्य को रोकने के आदेश जारी करें’

उदयपुर, (कासं)। नदी सुधार मे जुटे व नदियों को बचाने के लिए संघर्षरत नागरिक संगठन 14 मार्च को एक्शन फॉर रिवर्स डे नदियों के लिए कार्यवाही दिवस के रूप मे मनाते है।

उदयपुर को यह दिवस आयड नदी की बर्बादी रोकने के संकल्प दिवस के रूप मे मनाना चाहिए। यह विचार रविवार को आयोजित नदी संवाद में व्यक्त किये गए। संवाद मे झील संरक्षण समिति के डॉ. अनिल मेहता ने कहा कि जंहा आयड को सदानीरा व वेनिस बनना था , वंही अब इसके विपरीत नदी को पानी के एक धोरे के रूप मे सिमटाया जा रहा है। वेनिस बनाने का विचार विनाश करने के कार्यों मे बदल गया है। यह नदी पर अत्याचार है। अधिकारी वर्ग द्वारा किये जा रहे इस पर्यावरण अपराध पर राज्य के सत्ता पक्ष व विपक्ष के राजनीतिक दलों की चुप्पी आश्चर्यजनक है। झील विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य तेज शंकर पालीवाल ने कहा कि नदी को एक छोटे से धोरे मे बदल देने के पीछे भूमाफिया का हाथ हो सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि नदी पेटे के हिस्सों को भविष्य मे खुर्द बुर्द किया जा सकता है।गांधी मानव कल्याण समिति के निदेशक नंद किशोर शर्मा ने कहा कि एन जी टी ने झील संरक्षण समिति की याचिका पर जांच के लिए कमेटी बनाई है। कमेटी सदस्य होने के नाते कलेक्टर जांच पूरी होने तक नदी टाइलिंग व नदी को छोटा किये जाने के कार्य को रोकने के आदेश जारी करे। झील प्रेमी कुशल रावल व द्रुपद सिंह ने कहा कि जहां भी नदी के मूल स्वरूप को बदलने के अपराध हुए है, वंहा के लोगों को बाढ़ से पीड़ित होना पड़ा है। अधिकारियों को नदी एवं नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड करने से रोकना ही होगा। संवाद से पूर्व पिछोला अमरकुण्ड पर आयोजित श्रमदान में पॉलीथीन, कांच व प्लास्टिक की बोतलें, घरेलू कचरा व अन्य गंदगी हटाई गई।

‘मेला’ 23 मार्च से

उदयपुर, (कासं)। राजस्थानी, ऊर्दू और हिंदी भाषा के साहित्य के साथ ही संगीत, नाटक एवं कला के विविध रूपों का महाकुंभ ‘मेला’ 23 से 26 मार्च को आयोजित होगा। मेले में भाग लेने देशभर से नामी हस्तियाँ उदयपुर आएंगी।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के पत्र क्रमांक F1(4)SEIAA/SEAC-Raj/Sectt./Project/Cat. B1 (21040) 2022-23 Jaipur Dated: 08-3-2023 के द्वारा मै. श्री भगवती प्रसाद टांक सहखातेदार श्री किशन सिंह ML No. 14/2018 क्षेत्रफल 2.6689 हे. वास्ते खनिज क्वार्ट्ज, फैल्सपार, ग्रेनाईट निकट ग्राम लालजी का खेड़ा त. देवगढ़ जिला राजसमंद Proudction Capacity Granite 133392 (TPA) (Quartz Feldspar 14286 TPA (ROM) के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति SEIAA जयपुर एवं राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic.in पर देखी जा सकती है। श्री भगवती प्रसाद टांक सहखातेदार श्री किशन सिंह

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के पत्र क्रमांक F1(4)SEIAA/SEAC-Raj/Sectt./Project/Cat.B2 (21049) 2021-22 Jaipur Dated: 25-11-2022 के द्वारा मै.नीलकण्ठ ग्रेनाईट ML No. 27/2021 क्षेत्रफल 1.8285 हे. वास्ते खनिज ग्रेनाईट निकट ग्राम आंजना तहसील देवगढ़ जिला राजसमद(राज.) Proudction Capacity ग्रेनाईट 208334 TPA (ROM) के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति SEIAA जयपुर एवं राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic.in पर देखी जा सकती है। मै.-नीलकण्ठ ग्रेनाईट

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के पत्र क्रमांक F1(4)SEIAA/SEAC-Raj/Sectt./Project/Cat.B2 (21687) 2022-23 Jaipur Dated: 20-01-2023 के द्वारा मै. तुलसी मिनरल्स ML No. 11/2021 क्षेत्रफल 2.0283 हे. वास्ते खनिज क्वार्ट्ज, फैल्सपार निकट ग्राम हरियाव तहसील वल्लभनगर जिला उदयपुर (राज.) Proudction Capacity क्वार्ट्ज, फैल्सपार 133334 TPA (ROM) के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति SEIAA जयपुर एवं राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic.in पर देखी जा सकती है। मै. तुलसी मिनरल्स

जंगल सफारी का हुआ आयोजन

उदयपुर में हिंदुस्तान जिंक की मेजबानी में जंगल सफारी का आयोजन किया गया।

उदयपुर, (कासं)। रविवार को हिंदुस्तान जिंक द्वारा उदयपुर की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच नेचर ट्रेक का आयोजन किया। हिंदुस्तान जिंक के वरिष्ठ प्रबंधन और वन अधिकारियों की उपस्थिति में जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने प्रकृति प्रेमियों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मीणा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न सिर्फ प्रकृति से जुडने का अवसर प्रदान करते है बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है, हमें समय समय पर प्रकृति से जुड़कर इसके संरक्षण और नेचर को हमारे लियर महत्वपूर्ण होने का संदेश आमजन तक पहुचाना चाहिए। हिंदुस्तान ज़िंक के उदयपुर, जावर और देबारी से कर्मचारियों ने नेचर राइड में भाग लिया। 5 किमी की ट्रेकिंग साहसिक ट्रेकिंग यादगार था जो सज्जनगढ़ किले से शुरू हुआ और बड़ी झील पर समाप्त हुआ जिसमें जिला कलेक्टर सहित 70 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने दिन की शुरुआत एक साहसिक विजुअल ट्रीट के साथ की। हिंदुस्तान ज़िंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने इसे सराहनिय पहल बताते हुए कहा कि, जैव विविधता की रक्षा और संवर्धन सतत विकास के लिए हिंदुस्तान ज़िंक की प्रतिबद्धता का एक अभिन्न अंग है। जंगल सफारी जैसी पहल न केवल हमें प्रकृति के करीब लाता है बल्कि एक स्वास्थ्य जीवन शैली को विकसित करने में भी हमारी मदद करता है।

- जिला कलेक्टर सहित 70 से अधिक लोगों ने सज्जनगढ़ किले से बड़ी झील तक 5 किमी लंबी ट्रेकिंग अभियान में लिया भाग

विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों के बीच ढलान वाली पहाड़ियाँ और घास के मैदान ट्रेकर्स के लिए एक रोमांचक और रमणीय अनुभव था।